Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 12 , 03 अक्टुबर, मंगलवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

गांधी, मोदी या सरकारों से नहीं बल्कि सवा सौ करोड़ देशवासियों से स्वच्छ होगा देश- मोदी

नई दिल्ली. स्वच्छता अभियान के तीन साल पूरे होने पर नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वच्छता का सपना एक लाख मोदी या एक हजार बापू पूरा नहीं कर सकते। लेकिन 125 करोड़ लोग इस सपने को पूरा कर सकते हैं। सोमवार को महात्मा गांधी की जयंती के इस मौके पर रामनाथ कोविंद, वेंकैया नायडू और नरेंद्र मोदी ने राजघाट पहुंचकर बापू को श्रद्धांजलि दी। बता दें कि तीन साल पहले आज ही के दिन मोदी ने देश में स्वच्छता मिशन का एलान किया था। क्या बोले मोदी, 7 प्वाइंट्स...

1. झेलने की कैपेसिटी बढ़ रहा हूं

मोदी ने कहा, ''क्योंकि ये दायित्व भी ऐसा है जिसे झेलना चाहिए। धीरे-धीरे मैं झेलने की अपनी कैपेसिटी भी बढ़ा रहा हूं। तीन साल बिना थके हम इस काम में लगे रहे, क्योंकि हम जानते थे कि महात्मा गांधी ने जो रास्ता चुना वो गलत हो ही नहीं सकता।''

2. मोदी को गाली देने के हजार विषय हैं

''लोग कहते हैं कि मोदी का काम तो भाषण देना है। पानी कहां से आएगा, साबुन कहां से आएगा। ...मोदी को गाली देने के हजार विषय हैं। मैं हर दिन कुछ न कुछ कहता हूं। उसका उपयोग करते रहो। लेकिन समाज के लिए मैं जो कहता हूं, उसकी आलोचना करने से पहले सोचें।''

3. चुनौतियां हैं लेकिन छोड़कर नहीं जा सकते

पीएम मोदी ने हाथ पोछकर कुर्ते की जेब में रखा टिशू पेपर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आज गांधी जयंती के साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तीन साल पूरे होने का जश्न मना रही है। पीएम मोदी इन तीन सालों में अक्सर लोगों से अपने आस-पास स्वच्छता रखने की अपील करते आए हैं। पीएम सिर्फ लोगों से ही यह अपील नहीं करते बल्कि वो खुद भी इसे अपनाते हैं।

इसका ताजा उदारहण हाल ही में दशहरे के दिन सामने आया। दरअसल पीएम मोदी दशहरे के दिन रामलीला मैदान गए थे। यहां उन्होंने राम लक्ष्मण की पूजा और इसके बाद जब उन्हें हाथ पोछने के लिए टिशू पेपर दिया गया तो उन्होंने उसे फेंकने के बजाय अपने कुर्ते की जेब में रख लिया।

इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। पीएम के द्वारा किए गए इस छोटे से काम को काफी प्रेरणादायक कहा जा रहा है।

केजरीवाल ने कार्यक्रम में शामिल नहीं होने पर प्रमुख सचिव से मांगा जवाब

नई दिल्ली: लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के मौके पर विजय घाट में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली के प्रमुख सचिव उपस्थित नहीं हुए. इसको लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनसे जवाब मांगा है.

मुख्यमंत्री के एक सहयोगी ने बताया कि कार्यक्रम में एम एम कुट्टी की अनुपस्थिति को लेकर केजरीवाल 'अप्रसन्न' हैं. इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भी हिस्सा लिया था और इसका आयोजन दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग ने किया था.

सहयोगी ने बताया कि कुट्टी के अलावा अन्य नौकरशाह भी कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुए थे. उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री इस बात से नाराज हैं कि अधिकारी राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम को इस तरह से लेते है छुट्टी को किए गए फोन कॉल और संदेश पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है.

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केजरीवाल और दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस अवसर पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी.

यूपी पर्यटन विभाग के बुकलेट से विश्व प्रसिद्ध ताजमहल गायब

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश द्वारा जारी नई पर्यटन बुकलेट से दुनिया का सातवां अजूबा ताजमहल को जगह नहीं मिली है। हालांकि इस बुकलेट में गोरखपुर का गोरखनाथ मंदिर शामिल है।

उत्तर प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि यहां ताजमहल जैसा विश्व का सातवां अजूबा मौजूद है लेकिन पर्यटन विभाग की जारी बुकलेट में ताजमहल स्थान बनाने में नाकाम रही है।

मीडिया में यह खबर आने के बाद हड़कंप मच गया है। उत्तर प्रदेश में हर साल यूपी पर्यटन मंत्रालय की आधिकारिक बुकलेट बनती है। इस बुकलेट में प्रदेश के हर बड़े पर्यटन स्थल के बारे में लिखा होता है और उस पर्यटन स्थल के चित्र भी इस बुकलेट में छापे जाते हैं।

हर साल की तरह इस बार भी यूपी पर्यटन ने बुकलेट बनवाई है, लेकिन इस बार ताज को इस बुकलेट में जगह नहीं दी गई है। इस बुकलेट का पहले पेज पर वाराणसी की गंगा आरती को दर्शाया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही ताजमहल को लेकर विवादास्पद बयान दे चुके हैं।

6 महीने में 2,000 लोगों को मिलेगी नौकरी

नई दिल्ली: निजी क्षेत्र का बंधन बैंक आने वाले छह माह में 60 और शाखाएं खोलेगा. यह उसके देशभर में अपनी पहुंच एवं विस्तार की योजना का हिस्सा है. बैंक के प्रबंध निदेशक चंद्र शेखर घोष ने पीटीआई-भाषा से कहा मौजूदा समय में पूरे देश में हमारी 840 शाखाएं हैं और मार्च के अंत तक इनकी संख्या बढ़कर 900 हो जाएगी. उन्होंने कहा कि इससे 2,000 लोगों को रोजगार मिलेगा. इसी बीच बैंक ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पांच मर्चेंट बैंकर नियुक्त किए है. इसमें गोल्ड मैन साक्स और जेपी मॉर्गन चेज भी शामिल हैं. घोष ने कहा कि बैंक का यह आईपीओ अगले साल अगस्त तक आ सकता है.

दिल्ली में प्रदूषण की मोटी परत

नई दिल्ली (ईएमएस)। सर्दियों से पहले राजधानी दिल्ली के आसमान पर प्रदूषण की मोटी परत जम रही है। निर्माण गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले धूल कणों, वाहनों के उत्सर्जन से हवा तो जहरीली हो ही रही है, पेट्रोलियम उत्पाद पेटकोक के बढ़ते इस्तेमाल ने समस्या को और गंभीर बना दिया। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) ने दिल्ली-एनसीआर में पेटकोक पर अपनी शोध रिपोर्ट में कहा है कि यदि इस पर रोक नहीं लगी तो दिल्ली की आबोहवा फिर खराब हो सकती है।

एटीएम से नहीं निकले पैसे और खाते से कट गए, तो तुरंत करना चाहिए ये काम

नई दिल्ली। एटीएम इंडस्ट्री एसोसिएशन (एटीएमआईए) के मुताबिक, दुनिया भर में करीब 35 लाख एटीएम स्थापित किए जा चुके हैं। वर्तमान में लोग एटीएम का उपयोग सिर्फ नकदी निकालने के लिए ही नहीं, बल्कि विभिन्न प्रकार के लेन-देन जैसे बैलेंस की जांच, मोबाइल फोन, डीटीएच के रीचार्ज आदि करने के लिए भी कर रहे हैं।

भारत ने कश्मीर के लोगों को भावनात्मक तौर पर खो दिया है:यशवंत सिन्हा

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था की बदहाली पर केंद्रीय वित्त मंत्री अरण जेटली को घेरने के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता यशवंत सिन्हा ने अब कश्मीर के मुद्दे पर मोदी सरकार को निशाने पर लिया है। सिन्हा ने कहा है कि भारत ने घाटी के लोगों को भावनात्मक तौर पर खो दिया है। एक इंटरव्यू में पूर्व केंद्रीय मंत्री यसवंत सिन्हा से उनके उस आलेख के बारे में भी पूछा गया जिसमें उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था की बदहाली का मुद्दा उठाया था और फिर भाजपा को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। सिन्हा ने मुद्रा बैंक जैसी सरकारी योजनाओं और विभिन्न सुधारों की सफलता को बढ़ा-चढ़ाकर किए जा रहे दावे करार दिया।

लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए राज्यपाल राम नाइक व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

भारत को आज पहली बार अमेरिका से मिलेगा कच्चा तेल, क्योंकि यहां से खरीदना है सस्ता विकल्प

नई दिल्ली।भारत को सोमवार पहली बार अमेरिका से कच्चा तेल मिलेगा। अमेरिका से आया एक बहुत बड़ा कच्चा तेल मालवहक पोत ओडिशा के पारादीप बंदरगाह पर पहुंचेगा। इंडियन ऑयल कारपोरेशन ने जुलाई की शुरुआत में अमेरिका से पहला कच्चा तेल मालवाहक पोत बुक किया था जिसके बाद हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में अमेरिका से कच्चा तेल खरीदने की होड़ लग गई।

कश्मीर में घुसपैठ करते 5 आतंकी मारे गए

पाक की फायरिंग में 2 बच्चों की मौत

श्रीनगर। आर्मी ने कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर सोमवार को घुसपैठ की कोशिश कर रहे 5 आतंकियों को मार गिराया। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। उधर, पुंछ के केरनी और दिगवार सेक्टर में पाक की ओर से सीजफायर वॉयलेशन किया गया। इस गोलीबारी में दो बच्चों की मौत हो गई है। इनमें एक नौ साल का लड़का और लड़की शामिल है। वहीं, 9 लोग जख्मी हो गए। इससे पहले उड़ी के जोरावर इलाके में 26 सितंबर को सिक्युरिटी फोर्स ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया था। फोर्स ने एनकाउंटर में एक आतंकी को भी मार गिराया। पाक की ओर से सुबह 6:50 बजे हुई फायरिंग। आर्मी स्पोक्सपर्सन ने यह भी बताया कि पाकिस्तान की ओर से किए गए सीज फायर वॉयलेशन का भारतीय जवानों ने करारा जवाब दिया। सीमा पार से यह फायरिंग दिगवार, केरनी और शाहपुर सेक्टर में सुबह करीब 6:50 बजे की गई।

फायरिंग में 9 साल के लड़के असरार अहमद की मौत हो गई। असरार मोहल्ला कस्बा का रहने वाला था। वहीं, यश्मीन अख्तर नाम की लड़की की भी इस फायरिंग में जान चली गई। वह दिघवर के केरमा गांव की रहने वाली थी।

वहीं, नौ लोग जख्मी हो गए। इनमें से तीन की हालात गंभीर बनी हुआ है। इन लोगों को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया है। फायरिंग से सीमा के पास के गांव में लोग डरे हुए हैं।

अब तक कितनी बार हुआ सीजफायर वॉयलेशन

साल 2017 में पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर वॉयलेशन बढ़ा है। 1 अगस्त तक 285 वार सीजफायर वॉयलेशन हुआ।

सुसाइड अटैक की साजिश थी

उड़ी ब्रिगेड के डिप्टी कमांडर हरप्रीत सिंह ने बताया था कि उड़ी के कालगई इलाके में कुछ आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इस पर 24 सितंबर को आर्मी और पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया। इसी दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। 24 सितंबर को सिक्युरिटी फोर्स की जवाबी कार्रवाई में 3 आतंकी मारे गए थे। एक जवान और 3 सिविलियन भी जख्मी हुए। बाद में सोमवार को भी एक आतंकी को मार गिराया गया। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी एसपी वैद के मुताबिक, ''आतंकियों की साजिश सुसाइड अटैक करने की थी, जैसा कि पिछले साल उड़ी में आर्मी बेस पर हुए हमले में एक आतंकी ने किया था। एक बड़ी त्रासदी टल गई। पुलिस और आर्मी को पहले ही इसकी सूचना मिल गई थी। लिहाजा, हमले को रोकने के लिए ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया गया।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए साल के आखिर में आंदोलन शुरू करेंगे: अन्ना हजारे

नई दिल्ली.समाजसेवी अन्ना हजारे दिसंबर के आखिरी हफ्ते में फिर से भ्रष्टाचार, लोकपाल समेत कई मुद्दों पर आंदोलन की शुरुआत करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखकर जनता से किए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया है। इसमें अन्ना ने कहा कि सरकार ने देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए कुछ नहीं किया। लोकपाल बिल पर भी कोई कदम नहीं उठाए। हम बापू के दिखाए रास्ते पर दूसरा सत्याग्रह (आंदोलन) करेंगे। अन्ना सोमवार को महात्मा गांधी की 148वीं जयंती के मौके पर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि देने राजघाट पहुंचे थे। बता दें कि अन्ना ने यूपीए सरकार के वक्त अगस्त, 2011 में लोकपाल बिल की मांग पर दिल्ली में आंदोलन किया था।

खुले में शौच की समस्या से पांच और राज्य मुक्त घोषित

नई दिल्ली: मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के शहरी इलाकों को खुले में शौच (ओडीएफ) की समस्या से मुक्त घोषित किया गया है. स्वच्छ भारत अभियान के आज तीन साल पूरे होने पर आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इन पांच राज्यों के सभी शहरों और कस्बों को खुले में शौच की समस्या से मुक्त घोषित किया. गुजरात, आंध्र प्रदेश और चंडीगढ़ के शहरी क्षेत्र पहले ही यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं. वहीं हरियाणा और उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों को गत जून में ओडीएफ घोषित किया गया था.

सपने में गुजरात आता है तो इटली नहीं पोरबंदर आइए राहुल गांधी: अमित शाह

गुजरात। गुजरात गौरव यात्रा पर निकले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी पर जोरदार हमला किया. न्यूज एजेंसी के मुताबिक अमित शाह ने कहा, 'अगर राहुल को गुजरात के सपने आते हैं तो उनको पूरा करने के लिए इटली नहीं, पोरबंदर आना पड़ेगा.' शाह की इस बात को राहुल गांधी के उस बयान के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि गुजरात में दिल्ली में बैठे लोग रिमोट चलाते हैं. राहुल गांधी ने कहा था कि पटेल बाहुल्य इलाके की एक जनसभा में कहा था कि गुजरात की सरकार गुजरात से चलनी से चाहिए न की दिल्ली से. कांग्रेस उपाध्यक्ष ने इस बयान के जरिए संदेश देने की कोशिश की थी कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह दिल्ली के हो गए हैं. इस बयान के जवाब में अमित शाह ने राहुल गांधी के इटली जाने से जोड़कर बयान दिया है. आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस ने अभी से कमर कस ली है. राहुल गांधी पिछले 15 दिनों में यहां चार सभाएं कर चुके हैं. वह गुजरात के कई मंदिरों में भी पूजा करते हुए देखे गए थे. सोशल मीडिया पर भी कांग्रेस ने बड़े स्तर पर प्रचार अभियान चला रही है. कांग्रेस की इन्हीं रणनीतियों के जवाब में बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की अगुवाई में गुजरात गौरव यात्रा कर रही है. पटेल समाज के वोट बैंक पर बीजेपी की पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए अमित शाह ने सरदार वल्लभभाई पटेल के गांव से यह यात्रा शुरू की है. यात्रा की शुरुआत भी सरदार पटेल मेमोरियल से शुरू की गई है.

पाटीदार आरक्षण आंदोलन के चलते ग्रामीण वोटरों को अपने पाले में करने के लिए अमित शाह ग्रामीण क्षेत्रों की 149 सीटों पर 15 अक्टूबर तक गुजरात गौरव यात्रा पर निकले हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर में महासम्मेलन में इसका समापन करेंगे. इस यात्रा का नेतृत्व भी दोनों पाटीदार नेता ही कर रहे हैं.

बीमार पति से मिलने के लिए शशिकला ने दाखिल की पेरोल अर्जी

चेन्नई। आय से अधिक संपत्ति के मामले में चार साल की सजा भुगत रही अन्नाद्रमुक महासचिव वीके शशिकला ने अपने बीमार पति एम. नटराजन से

मुलाकात करने के लिए 15 दिनों के पैरोल की अर्जी सौंपी है। अन्नाद्रमुक से दरकिनार किए गए नेता टीटीवी दिनाकरण ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिनाकरण शशिकला के भतीजे हैं। लीवर की समस्या से जूझ रहे नटराजन पिछले कुछ दिनों से चेन्नई के कारपोरेट अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी हालत स्थिर है। दिनाकरण ने बताया कि उनका लीवर प्रत्यारोपण किया जाएगा। दिनाकरण ने कहा, 'हमने महासचिव (शशिकला) के लिए पैरोल अर्जी सौंपी है। उन्हें निश्चित रूप से अनुमति मिलेगी। कितने दिनों के लिए पैरोल दिया जाएगा इसके बारे में कर्नाटक कारा विभाग फैसला लेगा।' दिनाकरण ने कहा कि शशिकला के वकील ने बताया है कि महासचिव ने 15 दिनों के लिए पैरोल मांगा है। शशिकला वर्तमान में बेंगलुरु के पाराप्पना अग्रहारा जेल में बंद हैं।

धर्म और सत्कार्यरे में अधिक व्यय के कारण
जिसका कोष/खजाना क्षीण हो गया है, ऐसे व्यक्ति
की निर्धनता भी शोभनीय होती है
- कामंदकीय नीतिसार

संघ के स्थापना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस यानी विजयदशमी के अपने वार्षिक संबोधन में सर संघचालक मोहन भागवत ने जो कुछ कहा है वह सरकार के लिए दिशा-निर्देश का आधार बनना चाहिए। वैसे तो उन्होंने देश के समक्ष उपस्थित सारे ज्वलंत मुद्दों पर बोला। मसलन, गोरक्षा को धर्म से न जोड़ें और इसके नाम पर होने वाली हिंसा गलत है। डोकलाम विवाद को सम्मानजनक तरीके से निपटाने की भी उन्होंने सराहना की। कश्मीर में सुरक्षा बलों को पूरी आजादी देने से आतंकवाद की कमर टूटी है; यह भी उन्होंने कहा। रोहिंग्या मुद्दे पर भी उन्होंने संघ का रु ख स्पष्ट किया कि उनको यहां रहने की अनुमति देने के बाद देश में रोजगार के अवसर कम होंगे एवं सुरक्षा जोखिम बढ़ेगा। किंतु इनसे सबसे परे उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर जो बातें कहीं उसमें पूरे संगठन परिवार और देश के बहुमत की सोच निहित है। इस मामले में उनका यह कहना बिल्कुल सही है कि आर्थिक नीतियां बनाते समय जनता से फीडबैक लेकर काम करने की आवश्यकता है। वास्तव में जनता क्या सोचती है यदि सरकार के नीतिकारों को इसका पता नहीं है तो फिर वे वैसी नीतियां बना सकते हैं, जो जनता के मनोनुकूल नहीं हों और उनका विपरीत असर भी हो सकता है। इस समय देश में मोदी सरकार की अर्थनीति एवं देश की आर्थिक स्थिति को लेकर जो बहस चल रही है, उसमें भागवत के वक्तव्य महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने साफकहा है कि आर्थिक मोर्चे पर ज्यादा सतर्कता की आवश्यकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने यह कहा है कि आर्थिक नीतियां बनाते समय जितनी सतर्कता बरती जानी चाहिए थी, उतनी नहीं बरती गई। उन्होंने सीधे-सीधे अर्थनीति में व्यापक बदलाव लाने की बात की है, जो सिर्फबड़े उद्योगपतियों के फायदे की न हों, बल्कि जिसमें मझोले और छोटे कारोबारियों और किसानों के हितों का भी पूरा ख्याल रखा जाए। साथ ही उसमें रोजगार सृजन एवं उचित पारिश्रमिक को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। ध्यान रखिए इस समय मोदी सरकार की अर्थनीति की सबसे ज्यादा आलोचना इन्हीं मोर्चो पर हो रही है। तो कहा जा सकता है कि संघ ने भी आर्थिक नीतियों को जनोन्मुखी बनाने की आवश्यकता महसूस की है। सरकार की ओर से इस पर किसी प्रकार की प्रतिक्रिया आने की तो संभावना नहीं है, पर सरकार इसे पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर सकती। देखना है कि भागवत के प्रबोधन का कितना संज्ञान लेती है।

आतंकवादियों वहशियाना

बई के एलिफिंस्टन रेलवे स्टेशन के फुटओवर ब्रिज पर हुई त्रासदी हम सबको विचलित करने वाली है। 22 निदरेष लोगों का अचानक मिनटों में जिंदगी से हाथ धो बैठना एवं 30 से ज्यादा का घायल होना कोई सामान्य हादसा नहीं है। यह फुटओवर ब्रिज एलिफिंस्टन और परेल स्टेशनों को जोड़ती है, इसलिए इस पर भीड़ हमेशा ज्यादा होती है। किंतु बारिश के कारण भीड़ पुल पर कुछ ज्यादा हो गई और पता नहीं कहीं से पुल टूटने की अफवाह उड़ी, या शॉट सर्किट का या फिर लोग स्वयं आगे निकलने के चक्कर में अफरा-तफरी के कारण बन गए, और मिनटों में भयानक त्रासदी हो गई। हमें इसके कारणों के लिए जांच की प्रतीक्षा करनी चाहिए। हालांकि जांच रिपोर्ट से किसी की जिंदगी वापस नहीं आ सकती। बावजूद इसके यदि सरकार चाहे तो इससे भविष्य के सुधार का रास्ता निकल सकता है। सोशल मीडिया पर आई तस्वीरें बता रहीं हैं कि किस तरह लोग भीड़ की कश्मकश में अपने को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। जो भी तस्वीरें हैं, वे डरावनी हैं। हो सकता है इतनी भीड़ वहां पहली बार एकत्रित हुई हो। पर वहां भीड़ हमेशा ज्यादा होती है यह कोई छिपा तय नहीं है। अंग्रेजों के समय का बना हुआ वर्षो पुराना संकरा पुल उस समय की जनसंख्या के अनुसार है। जनसंख्या बढ़ने, रेलवे के विस्तार होने और उसके अनुसार रेलों एवं यात्रियों की भारी आवाजाही को देखते हुए इस पुल का विस्तार किया जाना चाहिए था, जो नहीं हुआ। इस आधार पर हमें इतने लोगों की जान लेने के लिए कोई जिम्मेवार दिखता है तो वह है-रेलवे प्रशासन। क्या हम चेतने के लिए हादसों की प्रतीक्षा करते रह सकते हैं? कहा जा रहा है कि स्थानीय लोगों, नेताओं ने रेलवे को इस बारे में कई बार आगाह किया। एक सांसद ने भी रेल मंत्री को पत्र लिखा। पूर्व रेल मंत्री सुरेश प्रभु के आदेश की एक कॉपी भी वायरल हो रही है, जिसमें पुल के विस्तार के लिए राशि आवंटित करने की बात है। अगर ऐसा है तो फिर यह रेलवे अधिकारियों की लापरवाही है, जिन्होंने उस योजना के तहत काम नहीं किया। दूसरे, यदि राशि निर्गत हुई तो मंत्रालय को भी इसके प्रति जागरूक होना चाहिए था कि काम पूरा हो। बिना वक्त गंवाए रेलवे देश भर के ऐसे सारे पुलों का अंकेक्षण कराए और जहां जरूरत है, वहां विस्तार और पुनर्निर्माण करे।

सत्संग

मनुष्य एक समाजिक प्राणी

अक्सर लोग इस उलझन में रहते हैं कि उनका कर्त्तव्य क्या है, क्योंकि ज्यादातर समय होता यह है कि लोग समझ ही नहीं पाते कि किस कार्य को करने से धर्म, नौतिकता और इंसानियत की मर्यादा का उल्लंघन होता है। कई बार मनुष्य अपने लाभ व भलाई को ध्यान में रखकर कार्य करता है और इसमें उसे कुछ भी गलत नजर नहीं आता। लेकिन मनुष्य का सच्चा कर्त्तव्य यही है कि वह स्वयं के साथ दूसरों की भलाई का भी ध्यान रखे। मनुष्य एक समाजिक प्राणी है और यदि उसके कर्म से उसके अलावा किसी अन्य की भलाई नहीं हो रही है, तो उसके कर्म का कोई मतलब नहीं रह जाता। मनुष्य का कर्त्तव्य यही है कि वह अपने साथ दूसरों की भलाई की भी कामना करते हुए कर्म करे, क्योंकि दूसरों का अधिकार ही हमारा कर्त्तव्य है। समस्त संप्रदायों में मनुष्य के कर्त्तव्य का सावभौमिक भाव यही है कि परोपकार ही पुण्य है और दूसरों को दुख पहुंचाना पाप है। वैसे कर्त्तव्य का अभिप्राय यही है कि जिस कार्य को करने के लिए मनुष्य नैतिक रूप से प्रतिबद्ध हो। यानी मनुष्य किसी कार्य को अपनी इच्छा, अनिच्छा या बाहरी दबाव के कारण नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक प्रेरणा से करता है। हर व्यक्ति का उसकी उम्र, स्थिति और क्षमता के अनुसार अलग-अलग कर्त्तव्य हो सकता है क्योंकि कोई एक कार्य पूरी तरह से ऐसा नहीं है, जो प्रत्येक समय सभी के लिए कर्त्तव्य हो। छात्रों के लिए पढ़ाई, किसान के लिए खेती, तो सैनिक के लिए अपने देश की सीमाओं की रक्षा करना ही उनका पहला कर्तव्य है। हालांकि, प्रत्येक व्यक्ति को एक ही समय में कई कर्त्तव्य निभाने पड़ते हैं। मसलन, कोई व्यक्ति किसी का पुत्र है, तो वही किसी का पिता, भाई, मित्र, पति और देश का नागरिक भी है। यानी एक ही व्यक्ति के कई रूप होते हैं और उसका कर्त्तव्य प्रत्येक भूमिका में महत्त्वपूर्ण होता है। मनुष्य को अपने प्रत्येक कर्त्तव्य को पूरी निष्ठा के साथ करने चाहिए। सीता माता की रक्षा करने में जटायु ने अपने प्राणों की आहुति दे दी, इसी भाव से प्रत्येक मनुष्य को अपने कर्त्तव्य करने चाहिए। ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि ईर की कृपा पाने के लिए पूजा-पाठ या साधना करना जरूरी है, लेकिन कर्त्तव्य को त्यागकर भक्ति करने से कोई लाभ नहीं होता। बाकायदा, एक सच्चा कर्म योगी अपने कर्त्तव्य को ही प्रभु भक्ति बना लेता है। मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म अपने कर्त्तव्य को पूरा करना है।

"'स्वच्छ भारत अभियान'

``न्यू इंडिया' के सपने से भी जोड़ कर उसे बड़ा आयाम दे दिया है। यह चकाचक नया भारत मोदी सरकार का नया दर्शन है। यह कोई भी कहेगा कि सरकार ने बड़ा ठान लिया है, जिसका क्रियान्वयन उसके अकेले बूते संभव नहीं है। सरकार भी यह मानती है। इसलिए वह गांधी के सहारे है, जो स्वच्छता के लक्ष्य को सामुदायिक भागीदारी के जरिये पाने में विास करते थे। सरकार ने सभी वर्गों से, खास कर उनसे सहयोग का आह्वान किया है, जिनके कहे और किये का सामाजिक समूहों के लिए प्रेरणा-अनुकरण का उदाहरण बन जाता है।

सतीश पेडणोकर

स्च्छता एक सामाजिक और सांस्कृतिक रूपांतरण है। यह लोगों व देश के आर्थिक रूपांतरण से ज्यादा नहीं तो कम महत्त्वपूर्ण भी नहीं है। इसलिए आधुनिक भारत के निर्माताओं में गांधी वह पहले राजनीतिक-संत हैं, जिन्होंने राजनीतिक स्वाधीनता पर स्वच्छता को तरजीह दी और मनुष्य के समस्त आचार-विचार में उसके निर्विवाद महत्त्व को रेखांकित किया। उनके मुताबिक साफ-सफाई का संबंध मनुष्य की सभ्य-जीवन शैली और उसकी गुणात्मक मानसिक उपलब्धि से है। इसलिए स्वच्छता के प्रति हमारा नजरिया निजी और समाज के प्रति हमारे ख्यालात को जाहिर करता है।

स्वच्छता के प्रति गांधी के इतने प्रबल आग्रह को देखते हुए नरेन्द्र मोदी सरकार ने उनकी जयंती दो अक्टूबर और अपने महत्त्वाकांक्षी "स्वच्छ भारत अभियान' को जैसे एक कर दिया है। इसके तहत पूरे देश में "स्वच्छता ही सेवा है' अभियान चलाया जा रहा है। ऐसा करने वाले नरेन्द्र मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल के पहले साल ही लाल किले से गांवों व शहरों में स्वच्छता अभियान चलाने की घोषणा की थी। और अब तो प्रधानमंत्री ने उस अभियान को "न्यू इंडिया' के सपने से भी जोड़ कर उसे बड़ा आयाम दे दिया है। यह चकाचक नया भारत मोदी सरकार का नया दर्शन है। यह कोई भी कहेगा कि सरकार ने बड़ा ठान लिया है, जिसका क्रियान्वयन उसके अकेले बूते संभव नहीं है। सरकार भी यह मानती है। इसलिए वह गांधी के सहारे है, जो स्वच्छता के लक्ष्य को सामुदायिक भागीदारी के जरिये पाने में विास करते थे। सरकार ने सभी वर्गों से, खास कर उनसे सहयोग का आह्वान किया है, जिनके कहे और किये का सामाजिक समूहों के लिए प्रेरणा-अनुकरण का उदाहरण बन जाता है।

इनमें चर्चित कलाकार, खिलाड़ी, नेता, अभिनेता, मीडिया से लेकर शैक्षणिक जगत की हस्तियां को उसने जोड़ रखा है। ये विभिन्न माध्यमों से लोगों की सोच को बदलने के नेक काम में लगे हैं। समाज के इन अग्रणियों की बातें विभिन्न वय के लोगों पर अपने हिसाब से असर दिखा रही हैं। आज यह संभव हुआ है कि सार्वजनिक या निजी स्थलों पर किसी तरह की गंदगी बिखेरने से पहले लोगों की नजरें उस पात्र की खोज जरूर करती हैं, जहां उपयोग हो चुकीं वस्तुओं को फेंका जा सके। इसलिए पहले की तुलना में शहर या गांवों के वे सार्वजनिक स्थल जवाबदेहीपूर्ण ऐहतियात से साफलगते हैं। स्कूलों में क्लास के प्रारंभ और अंत में बच्चों को दी गई शिक्षकों की सीखों का खूब असर हुआ है। वे बच्चे घरों में गलती से भी गंदगी फैलाते अपने माता-पिता को टोक कर सावधान करने से नहीं चूकते। बच्चे पढ़-सुनकर सीखते ही हैं, वह देखकर ज्यादा सीखते हैं। उन्हें अपने प्रधानमंत्री मोदी की संसद में आयोजित एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान रैपर फेंकने के लिए कूड़ेदान खोजतीं नजरें और उसे वहां न पाकर रैपर को अपनी जेब में रखने का सीन का स्वच्छता का जीवन भर के लिए एक यादगार पाठ हो जाता है। लेकिन ढेर सारे लोगों को सरकार का यह स्वच्छता अभियान एक तरह के भ्रम की रचना और उसका प्रोत्साहन लगता है, जिसमें सफलता इस बात पर निर्भर करती है, उसका ढिंढोरा कौन, किस तरह और किस स्तर पर पीट रहा है। उनका मानना है कि कई वाजिब प्राथमिकताओं की जगह अकेली स्वच्छता को समस्त सरकारी क्रिया-कलाप की धुरी बना देना एक तरह की ज्यादती है। लेकिन सरकार का विास है कि "साफ-सफाई से दमकता भारत एक ऐसी नेक सेवा है, जिसे वह देश के गरीब, दबे-कुचले और हाशिये पर पड़े लोगों के लिए कर सकती है।' इसलिए उसका स्वच्छता मिशन भारतीयों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन ला सकता है। आर्थिक तरक्की और स्वच्छता अभिन्न हैं। हालांकि स्वच्छता के मायने और दरकार भूगोल पर निर्भर करते हैं। व्यक्ति से लेकर संस्था और गांवों से लेकर शहरों तक में यह भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। यह उचित भी है। गांवों के संदर्भ में स्वच्छता का संदर्भ रिहाइश में ही शौचालय का निर्माण "खुले में शौच की बेइज्जती से मुक्ति' है। यह महिलाओं के लिए ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। गांवों में अपना शौचालय होने को उस परिवार की प्रतिष्ठा से जोड़ा जाता है। इसलिए बनारस में लोगों ने शौचालय का नाम "इज्जत घर' रखा हुआ है।

सच में ऐसा है भी। खुले में जातीं महिलाओं से यौन दुर्व्यवहार की घटनाओं को देखते हुए कई शादियां लड़कों के परिवार में शौचालय न होने की वजह से टूटीं। कई इसी शर्त पर तय हो सकीं कि शादी से पहले ससुराल में शौचालय बन जाएगा। कई लड़कियों ने इसके लिए अपने गहनों तक का मोह छोड़ दिया। निश्चित रूप से इसमें सुपर स्टार अमिताभ बच्चन और विद्या बालन के प्रचार का बड़ा हाथ है। इसलिए जब सरकार ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत की तो गांव को उसके मूल में रखा। सरकार ने पिछले तीन सालों में गांवों में पांच करोड़ शौचालयों का निर्माण किया है। यूपीए सरकार के 10 वर्षो के राजकाज में महज तीन करोड़ टॉयलेट का ही निर्माण हो सका था। इस तरह टॉयलेट निर्माण की दर 39 फीसद से बढ़कर 69 फीसद पर पहुंच गई है। इसमें शहरों में बनने वाले तीस लाख आठ हजार टॉयलट की गिनती अलग है। देश के कुल जिलों के तिहाई 203 जिले खुले में शौच करने से मुक्त हो गए हैं। सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, केरल, उत्तराखंड और हरियाणा ऐसे ही राज्य हैं, जहां कोई खुले में शौच के लिए नहीं जाता। हालांकि सरकार को क्रियान्वयन के मोर्चे पर त्रुटिरहित तरीके से और काम करना होगा। केवल शौचालयों का निर्माण ही काफी नहीं है। उसके लिए पानी, सीवर लाइन और गंदगी को साफ करने की व्यवस्था को भी दुरुस्त करना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि शौचालय सचमुच काम करे। बापू की जयंती पर हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सभी स्वच्छता जैसे महत्तर मकसद के लिए आगे आएं।

"स्वच्छता ही सेवा है' के बजाय "स्वच्छता ही कर्त्तव्य' को अपना जीवन मंत्र बनाएं। अकादमिकों, युवाओं की तरह मीडिया की भी इसमें बड़ी भूमिका है। जिस तरह से एक चर्चित हास्य कलाकार शो के अंत में दर्शकों को अपने आसपास को साफ रखने का संदेश देता है, मीडिया भी ऐसे ही प्रेरित करने वाले सकारात्मक संदेशों को जगह दे सकता है।

चलते चलते

स्वच्छता जागरूकता

स्वच्छ भारत अभियान का यह खास साल है। देश में इससे पहले शायद ही साफ-सफाई को लेकर इस कदर जागरूकता देखी गई होगी। हर कोई स्वच्छता के महत्त्व पर चर्चा करता मिल जाएगा। मगर इस सफाई का एक स्याह पक्ष भी है, जिसकी तरफ सरकार ने लगता है आंखें मूंद रखीं हैं। पहले राजधानी दिल्ली और अब उससे बमुश्किल कुछ दूरी पर बसे गुड़गांव में तीन सफाई मजदूरों की सेप्टिक टैंक में मौत की खबर है। ऐसी मौत एक तरफ चकित भी करती है तो वहीं आक्रोशित भी। मन गंदगी से कम इन सफाईकर्मियों की बेवजह की मौत से बजबजा उठा है। लेकिन सरकार को तो जैसे लगता है, इन मौतों से कोई मतलब ही नहीं है। अगर उसे रंच मात्र भी इन लोगों को लेकर दया का भाव होता तो वह लगातार हो रहे हादसों पर नकेल

> पहले राजधानी दिल्ली और अब उससे बमुश्किल कुछ दूरी पर बसे गुड़गांव में तीन सफाई मजदूरों की सेप्टिक टैंक में मौत की खबर है। ऐसी मौत एक तरफ चकित भी करती है तो वहीं आक्रोशित भी। मन गंदगी से कम इन सफाई कर्मियों की बेवजह की मौत से बजबजा उठा है। लेकिन सरकार को तो जैसे लगता है।

कसती। क्रम से हो रही मौतों को होने नहीं देती। आंकड़े इस बात का प्रमाण है कि किसी भी सरकार ने इन मौतों पर विराम लगाने के वास्ते कुछ नहीं किया। अकेले राजधानी में ही केवल तीन महीने में 12 लोग सीवर साफ करते काल-कवलित हो गए। 2010 से अब तक (सितम्बर 30, 2017) कुल 70 सफाईकर्मियों की सांस सीवर तले टूट चुकी है। लेकिन मौत क्यों हो रही है और इसे नहीं होने देने की अकुलाहट किसी भी जनप्रतिनिधि में नहीं दिखती है। सरकार का सारा जोर बस शौचालय बनाने में है। सीवर और सेप्टिक टैंक मौत का घर न बनें, इस पर सोचने-विचारने के बजाय दिल्ली सरकार ने यह निर्णय लिया है कि अब सीवर की सफाई के दौरान मृत्यु होने पर मृतक के परिजनों को दस लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मतलब तंत्र उस शुतुरमुर्ग की तरह हो गया है, जो आंधी आने पर रेत में अपना सिर इस उम्मीद में छुपा लेता है कि आंधी उसके ऊपर से गुजर जाएगी। सरकार का इकबाल उम्मीद छोड़ चुका है? जब वह किसी की मौत पर दस लाख नकद देने का फैसला सत्ता तंत्र ले सकता है तो उसी आवंटित रकम से सफाई के साजो-सामान क्यों नहीं खरीद सकता है? आखिर इसमें किस तरह की बंदिश है? साफ-सफाई और स्वच्छता से रहने के अनेकों फायदे हैं, लेकिन गंदगी मिटाने और साफ करने वाले ही अगर ऐसे दौर में अपनी जान से हाथ धोने लगें तो "स्वच्छ भारत' अभियान मलिन ही माना जाएगा।

मुद्दा

सामुदायिक भागीदारी

सरकार ने बड़ा ठान लिया है, जिसका क्रियान्वयन उसके अकेले बूते संभव नहीं है। सरकार भी यह मानती है। इसलिए वह गांधी के सहारे है, जो स्वच्छता के लक्ष्य को सामुदायिक भागीदारी के जरिये पाने में विास करते थे। सरकार ने सभी वर्गों से, खास कर उनसे सहयोग का आह्वान किया है, जिनके कहे और करने का सामाजिक समूहों के लिए प्रेरणा-अनुकरण का उदाहरण बन जाता है सेक्युलर मीडिया, बुद्धिजीवी, उदारवादी, महिला स्वतंत्रतावादी रेप के किसी मामले में शायद ही इतने खामोश रहे होंगे, जितना ये लोग "तेजपाल मामले' में मौन हैं। ऐसा लग रहा है मानो उन्हीं का कोई आरोपित हो। बचाव की दर बढ़ी है प्रोस्टेट कैंसर में जल्द ही बुलेट ट्रेन लाने की बात हो रही है, लेकिन लगातार होते रेल हादसे भारत में रेल व्यवस्था, उसके खस्ताहाल आधारभूत संरचना की बानगी दे रहे हैं। शुक्रवार को प्रात:10:30 मुंबई के एलिफिंस्टन स्टेशन के फुटओवर ब्रिज पर ज्यादा भीड़ की वजह से भगदड़ मच गई, जिसमें आपदा प्रबंधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार 27 लोग मारे गए और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। जिस फुटओवर ब्रिज पर यह हादसा हुआ, वह मुंबई रेल के दो महत्त्वपूर्ण वेस्टर्न रेलवे और सेंट्रल रेलवे को जोड़ने वाला 103 वर्ष पुराना एकलौता ब्रिज है। अगर सीसीटीवी फुटेज को देखें तो यहां हमेशा पीक ऑवर्स में भारी भीड़ होती है। रेलयात्रियों के अनुसार यहां पीक ऑवर्स में सदैव ऐसे ही भीड़ होती है, फिर भी भीड़ प्रबंधन के लिए सुरक्षाकर्मी नदारद रहते हैं। वहां के नियमित यात्री, स्थानीय मीडिया में लंबे समय से एक और बड़े फुटओवर ब्रिज की मांग की जाती रही है, परंतु इस पर भी रेलवे ने ध्यान नहीं दिया। सवाल है कि तमाम मांगों के बावजूद पुल का चौड़ीकरण अथवा वहां नये पुल का निर्माण क्यों नहीं किया गया? शिवसेना सांसद अरविंद सावंत और राहुल शेवाले ने पूर्व रेलमंत्री सुरेश प्रभु को इस फुटओवर ब्रिज को चौड़ा करने के लिए कई बार पत्र भी लिखा था। उन पत्रों के जवाब में पूर्व रेलमंत्री ने फंड की कमी का रोना रोया। पूर्व रेलमंत्री ने फंड कमी के लिए अंतरराष्ट्रीय मंदी तक का हवाला दिया था। इससे साफ है कि उच्चस्तरीय रेल प्रशासन जमीनी सच्चाइयों से काफी दूर है। सरकार महत्त्वपूर्ण छोटे बजट के ओवरब्रिज में फंड कमी की बात करती है। रेलवे की लापरवाही से आए दिन दुर्घटनाएं और भगदड़ होती रहती हैं। इसकी वजह सभी को पता है। फिर भी हर वर्ष ये दुर्घटनाएं होती हैं। उनके बाद जांच होती है, बैठकों का दौर चलता है, मुआवजे की घोषणाएं होती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं होता है। रेल मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार रेलवे के 200 अधिकारियों की तैनाती रेल मुख्यालय से फील्ड में की गई है, जिससे रेलवे को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान की जा सके। हर बार की तरह इस बार भी रेलवे मूल सत्य को स्वीकार करने से बचता दिख रहा है। कभी रेलवे भारी बारिश तो कभी अफवाह को हादसे की वजह मान रहा है, जबकि सच्चाई इसके उलट है। सबसे दुखद बात यह है कि रेलवे पूर्व में हुई इस प्रकार की भगदड़ों से कोई सीख नहीं ले रहा है। जांच समितियों की रिपोर्ट पर बाद में रेलवे द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन के कमी से स्थिति में बदलाव नहीं आता है। रिपोर्ट बस धूल खाती रहती है। रेलवे-सुरक्षा के कई पहलू होते हैं, लेकिन प्रबंधन के स्तर पर सभी पहलू जुड़े रहते हैं। होता यह है कि रेलवे विभाग रेल सेवाओं में वृद्धि कर देता है, परंतु यात्री सुरक्षा के कई मूलभूत मामले उपेक्षित रह जाते हैं। इस मामले में ही अगर शिकायतों पर पहले ध्यान दिया जाता तो हादसे को टाला जा सकता था। राजनीतिज्ञों और रेल प्रबंधकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे इन छोटी किंतु बेहद महत्त्वपूर्ण मांगों के लिए संवेदनशील बने। अगर अल्पकालिक समाधान को देखा जाए तो अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन से निपटने का काम भी संजीदगी से सीखने की जरूरत है। कुल मिलाकर रेलवे में यात्री सुरक्षा और सेवाओं के मध्य संतुलन की आवश्यकता है।

आतंक पर करारा प्रहार

आभा स्वामी

राजनीतिक नेतृत्व का इरादा स्पष्ट और सशक्त हो, तो उससे कैसे परिणाम प्राप्त होते हैं, इसकी एक ताजा मिसाल भारत-म्यांमार सीमा पर देखने को मिली है। ना तो कश्मीर में आतंकवाद नया है, और ना ही उत्तर-पूर्वी राज्यों में। लेकिन अतीत में कभी दहशतगर्दों पर वैसा प्रहार नहीं होता था, जैसा बीते तीन सालों में देखने को मिला है। जून 2015 में मणिपुर में नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (खापलांग) के उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले में सेना के 18 जवान शहीद हुए थे। उसके कुछ दिनों के अंदर ही भारतीय सेना ने भारत-म्यांमार सीमा पर दोषी हमलावरों के अड्डों पर धावा बोलकर उन्हें ठिकाने लगा दिया। पिछले साल पाकिस्तान से आए आतंकियों ने उरी में भारतीय सेना के शिविर को निशाना बनाया। उसके दस दिन बाद ही (28-29 सितंबर की रात) जम्मू-कश्मीर से लगी नियंत्रण रेखा के उस पार जाकर हमारे सैनिकों ने बहुचर्चित सर्जिकल स्ट्राइक की। उसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए सेना ने अब भारत-म्यांमार सीमा पर एनएससीएन (खापलांग) को भारी क्षति पहुंचाई है। सेना ने स्पष्ट किया है कि उसने सरहद पार नहीं की। म्यांमार से भारत के दोस्ताना संबंध हैं। कभी वहां भारतीय उग्रवादियों ने ठिकाने बना रखे थे। लेकिन बाद में म्यांमार सरकार ने उन्हें अपनी जमीन से बेदखल कर दिया।

जब पड़ोसी देश सहयोग कर रहा हो, तो उसकी प्रादेशिक संप्रभुता का उल्लंघन करने की जरूरत भी नहीं होती। मकसद तो आतंकी समूहों का खात्मा है। भारतीय सुरक्षा बल दशकों से इस प्रयास में जुटे हुए हैं। परंतु नई बात यह है कि मौजूदा केंद्र सरकार ने उन्हें कार्रवाई करने की पूरी स्वतंत्रता दी है। नतीजतन, उनके रुख में आक्रामकता आई है। ताजा कार्रवाई भारतीय सेना के एक दस्ते पर फायरिंग के बाद की गई। इसके पहले इस महीने के आरंभ में सेना ने अरुणाचल प्रदेश से जुड़ी भारत-म्यांमार सीमा पर एनएससीएन (खापलांग) के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की थी। उस दौरान आतंकियों के छिपने के कई अड्डे तबाह किए गए। हथियार, गोला-बारूद और रेडियो सेट्स की बरामदगी भी हुई। नगालैंड मसले को हल करने के लिए भारत सरकार व एनएससीएन (इसाक-मुइवा) के बीच शांति वार्ता चल रही है। लेकिन इस संगठन का खापलांग गुट बातचीत में शामिल होने से इनकार करता रहा है।

हिंसक गतिविधियां जारी रखी हैं। भारत और म्यांमार के बीच लगभग 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड व मणिपुर से सटी है। इस इलाके में खापलांग गुट हमले करता रहा है। मगर अब भारतीय सुरक्षा बलों ने उस पर दबाव बढ़ा दिया है। पिछले दो महीनों में खापलांग गुट को काफी क्षति पहुंची है। स्पष्टत: ऐसा हमारे सुरक्षा बलों की बेहतर रणनीति, नियोजन और सही ठिकानों पर सटीक निशाना साधने की क्षमता के कारण हुआ है। मगर एक हद तक इसका श्रेय केंद्र की मौजूदा सरकार को भी है, जिसने आतंकवाद या उग्रवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपना रखी है। भारत-म्यांमार सीमा पर लांग्खू गांव के पास हुई ताजा कार्रवाई इसी नीति का परिणाम है, जिसमें कई उग्रवादियों को मौत के घाट उतार दिया गया।

हमला:पिछले 6 महीने में भाजपा ने नहीं किया कोई बड़ा काम–अखिलेश

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मोहनलालगंज के खुजौली में आयोजित दंगल समारोह में रविवार को ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा ने पहलवानों और खिलाड़ियों को सम्मानित करने का काम किया था। कुश्ती समाजवादी पार्टी से जुड़ा हुआ खेल है। लेकिन अब हाल यह है कि खिलाड़ियों को मिलने वाली पेंशन के साथ ही बीजेपी सरकार ने समाजवादी पेंशन भी बंद कर दी है।

उन्होंने कहा कि अभी तक अच्छे दिन नहीं आए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि किसानों का कर्जा माफ नहीं किया गया। उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार ने छह महीने में कोई भी बड़ा काम नहीं किया है। इस मौके पर अखिलेश ने गोरखपुर में बच्चों की मौत के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि गोरखपुर की जनता चुनाव में इसका जवाब देगी।

अखिलेश यादव ने लखनऊ से आगरा तक बने एक्सप्रेस वे का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने किसानों को चार गुना मुआवजा देने का काम किया। उनकी सरकार बनने पर साइकिल से चलने वालों की दुर्घटना होने पर 10 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी सरकार अन्याय उत्पीड़न व धोखा देने का काम कर रही है। नोट बंदी पर केंद्र सरकार की पोल खुल गई है। नोटबंदी पर सबसे ज्यादा नुकसान गरीबों का हुआ है।

गांधी जयंती: योगी के समारोह में फूल नहीं,खादी की रूमाल का चलन दिखा

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गांधी जयंती पर गांधी आश्रम में चरखा चलाया और रामधुन सुनी। उन्होंने कहा गांधी जी ने खादी से स्वालंबी बनाने का काम किया था। केंद्र सरकार गांधी जी के विचारो को आगे बढावा देने के लिये काम कर रही है।

केंद्र सरकार ने खादी को बढ़ाने के लिये समारोहों मे पुष्प गुच्छ देने के बजाये खादी की रूमाल या गमछा देने का चलन चलाया है। योगी ने कहा कि खादी ग्राम उद्योग को मिलने वाली सब्सिडी पहले दस प्रतिशत मिलती थी लेकिन यूपी सरकार ने इसे बढाकर 15 प्रतिशत किया है। कामगारो को सीधे खाते मे पैसे भेजेंगे।

पाकिस्तान के साथ हुये युद्ध मे देश के पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री जी ने जवानों के अंदर जो जोश भरा था वह जोश आज के युवायों मे भरा जाना जरूरी है। पीएम के संसदीय इलाके मे सोलर चरखा देकर रोजगार के साथ खादी का उत्पादन बढाये जाने पर जोर दिया जा रहा है। घर की महिलाएं चरखा चलाकर खुद को स्वावलंबी बना रही हैं।

दशहरा देखकर लौट रहे राजधानी की चपेट में आए,4 की मौत

नैनी। नैनी का दशहरा मेला देख कर घर लौट रहे चार लोग नैनी जंक्शन के पास ट्रैक पार करते समय भुवनेश्वर -राजधानी की चपेट में आ गए । उनके परिवार में उनकी 50 साल की पत्नी मिसगीना, 10 साल का दिव्यांग बेटा जाकिर शाह, 18 साल का बेटा आकिल, 9 साल की बेटी शबीना, 15 साल की अनम और 13 साल की बेटी फिदा शामिल थे।

खीरी के बड़ा गांव में नहीं उठे ताजिया, पुलिस फोर्स तैनात

लखीमपुर-खीरी। सदर कोतवाली क्षेत्र के बड़ा गांव में पिछले साल की तरह इस बार भी मोहर्रम के ताजिया नहीं उठे। गांव में शांति व्यवस्था बनी रहे इसके लिए पूरा दिन पुलिस फोर्स तैनात रहा है। उधर धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के शेखनपुरवा में तीन घंटे तक चली मशक्कत के बाद ताजिए कर्बला पहुंचे।

सदर कोतवाली के बड़ा गांव में कर्बला पहुंचने से पहले ताजिए गांव के बाहर एक धार्मिक स्थल के पास ताजिए रखे जाते थे। इस जगह को लेकर बड़ा गांव में दो समुदायों के बीच विवाद चल रहा है। पिछले साल यहां पुलिस ने वैरीकेडिंग करा दी थी। जिससे विवाद न हो और मौके पर फोर्स तैनात रही थी। इसको लेकर ताजियादारों ने ताजिया नहीं उठाए थे। पिछले साल की यह परंपरा इस साल भी जारी रही। बड़ागांव को लेकर पुलिस प्रशासन पहले से सतर्क था। पुलिस और प्रशासन के अफसर गांव वालों से मीटिंग कर रहे थे। रविवार को मोहर्रम के लिए यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल लगा दिया गया। खबर लिखे जाने तक इस वर्ष भी बड़ा गांव में मोहर्रम के ताजिए नहीं उठे थे। एसडीएम नागेन्द्र सिंह ने बताया कि ताजियादारों से वार्ता चल रही है। जल्द ही ताजिया उठाए जाएंगे। गांव में शांति व्यवस्था बनी हुई है। पुलिस के अधिकारी फोर्स के साथ बड़ा गांव में डेरा डाले हुए हैं।

ताजिया को लेकर लखीमपुर खीरी के दो गांवों में तनाव

वही धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के गांव शेखनपुरवा में ताजिया कर्बला ले जा रहे थे। रास्ते में एक पेड़ पड़ गया। ताजिया निकालने के लिए पेड़ की डाल काटे जाने की मांग हो रही थी। गांव का दूसरा पक्ष इसका विरोध कर रहा था। पुलिस और प्रशासन के अफसर लोगों को समझाते रहे। लेकिन जब कोई भी पक्ष नहीं माना तो प्रशासन ने जेसीबी मंगाकर पेड़ की डाल ऊपर खिंचवा दी और ताजियादार अपने ताजिया लेकर कर्बला पहुंच गए और मामला शांत हो गया। रामगोपाल से नाराजगी बनी रहेगी

यादव परिवार में वर्चस्व को लेकर जो झगड़ा हुआ उसका सबसे बड़ा कारण मुलायम प्रो. रामगोपाल यादव को मानते हैं।

अगर वह अधिवेशन में जाते हैं तो रामगोपाल यादव ही मंच का संचालन करेंगे। ऐसे में मुलायम के लिए स्थिति असहज हो जाएगी।

मुहर्रम जुलूस: यूपी के इन जिलों में बवाल के बाद 200 लोग हिरासत में

लखनऊ। यूपी में मुहर्रम जुलूस के दौरान रविवार को भड़की हिंसा मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। यूपी के 6 जिलों में कहीं पत्थरबाजी हुई तो कहीं आगजनी। हालात इतने तनावपूर्ण हुए कि धारा 144 लगा दी गई। गोरखपुर, लखनऊ, बलिया, बरेली, पीलीभीत, कुशीनगर, संभल और कानपुर में तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद आज भी फोर्स तैनात है। सूत्र बता रहे हैं कि इस मामले की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। खबर आ रही है कि कानपुर के बवाल में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए और 200 लोगों को उपद्रव मामले में हिरासत में लिया गया है।

पूरे बवाल में एक दर्जन से ज यादा वाहन आग के हवाले कर दिए गए। पथराव में एसपी साउथ, एक दारोगा सहित कुछ पुलिस कर्मी भी घायल हो गए। संभल में रविवार की देर रात को ताजिया निकालने को लेकर हुए विवाद के बाद से स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी हुई है। संभल और आसपास के जिलों का भारी फोर्स तैनात है। संभल का मुख्य ताजिया समेत 100 से ज्यादा ताजिया सड़कों पर खड़े हैं।

ताजियादारों मैं आक्रोश है और उन्होंने ताजिया दफन करने से करने से इंकार कर दिया है। संभल की उपनगरी सरायतरीन में भी ताजिया दफन नहीं हुए हैं।पुलिस और प्रशासनिक अफसर सोमवार सुबह से ही ताजियादारों के साथ बैठक करके उन्हें समझाने का प्रयास कर रहे हैं जिससे ताजिया दफन कराए जा सकें। इस दौरान संभल शहर में भारी भीड़ जमा होती जा रही है जिसके चलते तनाव बढ़ रहा है।

सिकंदरपुर में एक दिन पहले हुए विवाद को लेकर पत्थरबाजी की अफवाह किसी ने उड़ा दी। इससे अचानक माहौल बिगड़ गया। देखते ही देखते दो पक्ष आमने-सामने आ गये और ईंट-पत्थर चलने लगे। आसपास की पांच दुकानों में धावा बोलकर लूटपाट की गई। दो बाइकों व दो साइकिलों को आग के हवाले कर दिया गया।

कानपुर में रविवार शाम तकरीबन चार बजे एक धार्मिक जुलूस जूही परमपुरवा से होकर गुजर रहा था। तय रूट से जुलूस के आगे बढ़ने पर पुलिस ने उसे रोकते हुए लोगों को समझाया। पुलिस की बात लोग मानते उससे पहले ही कुछ उपद्रवियों ने मौके का फायदा उठाते हुए घर के अंदर से पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए पथराव से भगदड़ जैसे हालात बन गए।

पथराव कर रहे लोगों को रोकने के लिए एसपी साउथ आगे बढ़े तो किसी ने उनके हाथ पर डंडे से वार कर दिया। तब तक दो तरफ से पथराव शुरू हो गया। इतना ही नहीं भीड़ ने उस मकान में आग लगाने की भी कोशिश की। पुलिस के रोकने पर भीड़ ने पुलिस को ही दौड़ा लिया। टेंट हाउस के बाहर खड़ी पांच बाइकों में आग लगा दी। बेकाबू भीड़ आजगनी पर उतारू हो गई।

पूरे इलाके में भगदड़ जैसा माहौल बन गया। पथराव में उधर से गुजर रहे वाहनों के शीशे टूट गए।

बिहार

शहाबुद्दीन के करीबी मिन्हाज की हत्या के आरोपित को

पटना। युवा राजद नेता व पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के करीबी रहे मिन्हाज खां की हत्या समेत कई अपराधिक घटनाओं के आरोपित राजा खां को लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। यह घटना रविवार को थाना क्षेत्र के खवासपुर गांव के एक घर में हुई। कुख्यात राजा खां को उसके पिस्टल से ही ग्रामीणों ने मार दिया।

मिली जानकारी के अनुसार राजा खां शनिवार की शाम बाइक से किसी कार्यवश कन्हौली मोड़ पर आया था। वहां एक दुकान पर रुककर उसने थोड़ी देर के लिए सिर से हेलमेट निकाला। इसी बीच बाजार में मौजूद किसी ने पहचान लिया और पुलिस को इसकी सूचना दे दी। इसके बाद पुलिस ने उसका पीछा शुरू कर दिया। बाइक पर उसका एक साथी भी मौजूद था। दोनों बाइक से भागते हुए बसांव गांव के चंवर में पहुंच गए।

आगे रास्ता नहीं होने पर दोनों बाइक छोड़ पैदल भागने लगे। राजा खां चंवर के पानी में घुस गया और बचाव में पुलिसबल पर चार राउंड फायरिंग की। जानकारी मिलने पर कई थाने की पुलिस पहुंच गई जिसने चंवर को पूरी रात घेरे रखा। लेकिन, राजा खां पुलिस की नजरों से बचता हुआ ख्वासपुर गांव के एक घर में जाकर छिप गया है। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस के साथ कई गांव के लोग ख्वासपुर पहुंच गए।

लोगों ने काफी देर तक पुलिस की कार्रवाई का इंतजार किया। इसी बीच उसने घर के भीतर से गोली चला दी जो मिन्हाज के भाई को जाकर लग गई। फिर क्या पुलिस की विफलता से नाराज ग्रामीण उग्र हो गए और घर पर धावा बोल दिया। लोगों ने राजा खां को घर से बाहर खींच पहले लाठी-डंडे पीटने के बाद उसी के पिस्टल से मार गिराया। एसपी सौरभ कुमार शाह ने बताया कि पुलिस ने राजा खां को बार-बार सरेंडर करने के लिए कहती रही। बावजूद वह उल्टे रुक-रुक कर फायरिंग करते रहा। इसी बीच उसकी चलाई गोली मिन्हाज खां के बड़े भाई जुल्फिकार अली भुट्टो को लग गई।

दूसरे के प्रेम में महिला ने खुद को बनाया विधवा, बच्चों को कर दिया अनाथ

लखीसराय। दिल दहला देने वाले मामले में पत्नी ने दूसरे के प्रेम में रिश्तों की मर्यादा लांघते हुए खुद विधवा बन बैठी और बच्चों को भी बना दिया अनाथ। मायके में ही अलग रह रही पत्नी ने दशहरा का मेला घुमाने के लिए पति को बुलाया और किसी बात पर हुए विवाद में उसे चाकू घोंप दिया। आनन-फानन में घायल पति को सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार सुबह की ये घटना लखीसराय के कबैया थाना क्षेत्र में संसार पोखर के पास की है। आरोपित महिला प्रियंका पांडेय एक निजी स्कूल में शिक्षकि है, जबकि मृतक पति सुजीत पांडेय शेखपुरा जिला के अवगिल का रहनेवाला था।

पुलिस ने आरोपित पत्नी को

बिहार ने ली शपथ, अब न कोई बेटी जलेगी, ना ही बाल विवाह होगा

पटना। सीएम नीतीश कुमार ने आज गांधी जयंती के अवसर पर कहा, जैसे बिहार ने शराबबंदी के खिलाफ शपथ ली वैसे ही हमें बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ भी एकजुट होना होगा, अब बिहार में नहीं कोई बेटी जलेगी और ना ही बाल विवाह होगा। सीएम नीतीश ने कहा कि 21 जनवरी को बाल विवाह, दहेज प्रथा और शराब सेवन के खिलाफ मानव श्रृंखला बनाई जाएगी।

बाल-विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ सशक्त राज्यव्यापी महाअभियान का आगाज आज हुआ। गांधी जयंती पर इस अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना स्थित सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर के बापू सभागार में किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री बाल-विवाह और दहेज उन्मूलन के लिए जागरूकता रथ और कला जत्था को झंडी दिखाई। ये दोनों

पूरे राज्य का भ्रमण कर लोगों को दहेज और बाल विवाह के कुप्रभावों के प्रति लोगों को जागरुक करेंगे।

शराबबंदी के बाद समाज सुधार की दिशा में बढ़ाया गया राज्य सरकार का यह बड़ा कदम है।बिहार को बाल-विवाह और दहेज से मुक्त राज्य बनाने के संकल्प के साथ इस अभियान की शुरुआत राज्य सरकार कर रही है।

लखीसराय में दो सहोदर भाई समेत एक ही परिवार के चार डूबे, 2 शव मिले

लखीसराय। लखीसराय के बड़हिया में सोमवार की सुबह गंगा नहाने गए एक ही परिवार के सात में से चार लड़कों की डूबकर मौत हो गई। डूबने वालों में 15 वर्षीय प्रणव और 13 वर्षीय शिवम बड़हिया दानी टोला वार्ड नंबर 13 निवासी शिक्षक अलिंद्र कुमार सिंह के पुत्र थे, जबकि अन्य डूबने वालों में 13 वर्षीय रिक्कू और रोहन के रूप में अन्य 2 बच्चों की पहचान हुई है। दोनों बिहारशरीफ के नादियौना गांव के रहनेवाले थे और शिक्षक अलिंद्र सिंह के ही रिश्तेदार थे।

मौके पर पहुंची पुलिस ने गंगा नदी में तलाश करवानी शुरू की, तो पहले दो बच्चों का ही शव बरामद हुआ।

बाद में करीब तीन घंटे की खोजबीन के बाद अन्य दोनों रितेश उर्फ रिक्की और रोहन का शरीर भी बरामद हुआ। इन्हें बड़हिया रेफरल अस्पताल में मृत घोषित किया गया। घटना के बाद पूरे परिवार में मातम का माहौल है।

मुहर्रम जुलूस पर हाईटेंशन तार गिरने से 2 की मौत और 20 झुलसे

भागलपुर। भागलपुर के लोदीपुर थाना क्षेत्र के अगरपुर में रविवार देर शाम मोहर्रम जुलूस पर हाईटेंशन तार गिर गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। छह घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही डीएम आदेश तितरमारे, एसएसपी मनोज कुमार ने मौके पर पहुंच घटनास्थल का जायजा लिया और जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की बात कही।

हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने घटना के लिए फ्रेंचाइजी कंपनी को जिम्मेदार ठहराया है। लोग कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। पुलिस के अनुसार घटना देर शाम की है जब मोहर्रम जुलूस में शामिल लोग पहलाम के लिए अगरपुर स्थित सूर्यमहल पोखर जा रहे थे। जुलूस देखने के लिए गांव में सड़क किनारे हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान अचानक सड़क के ऊपर से गुजर रहा हाई टेंशन तार गिर गया। इसकी चपेट में आने से 20 से अधिक लोग झुलस गए। लोदीपुर के गढ़ोतिया गांव निवासी मो. अंजारूल (35) और लोदीपुर के अगरपुर निवासी मो. कामरान (20) की मौके पर ही मौत हो गई।

गांव के मुखिया और दूसरे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिजली व्यवस्था के जिम्मेदार लोगों ने साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि इलाके में पर्व त्योहार के अवसर पर बिजली व्यवस्था को लेकर कुछ दिन पहले ही बैठक हुई थी। इसमें बिजली कंपनी को दोपहर दो बजे से पहलाम खत्म हो जाने तक बिजली आपूर्ति बंद रखने की बात कही गई थी। लेकिन बिजली कंपनी ने जुलूस के समय ही इलाके में आपूर्ति बहाल कर दी। इस कारण ही घटना हुई है। रात तक इलाके के जनप्रतिनिधि समेत ग्रामीण जिम्मेदार लोगों

भाजपा के दबाव में चुप्पी साध गए हैं नीतीश : लालू

पटना। राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने ट्वीट कर आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कामकाज छोड़ मौनी बाबा बन गए हैं। रविवार को किए ट्वीट में श्री प्रसाद ने समाज कल्याण मंत्री पर हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और आरोप लगाया नयी सरकार में अपराध की बाढ़ आ गई है। अन्य ट्वीट में श्री प्रसाद ने आरोप लगाया कि सृजन घोटाले में आरोपित अभियुक्तों की हत्या, आरोपियों के घर से कागजात की चोरी हो रही है और मुख्यमंत्री गहरी चुप्पी साधे हुए हैं। श्री प्रसाद ने आरोप लगाया कि सृजन घोटाले में सीबीआई जांच अधिकारी बदलने के तुरंत बाद मनोरमा देवी के घर चोरी करवाकर अहम कागजात

उठवा लिए गए। सब सबूत नष्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सृजन घोटाले के असली गुनाहगारों को बचाने के लिए जांच के बीच में अचानक सीबीआई अधिकारी को बदलना गहरी संलिप्तता का पुख्ता प्रमाण है।

सूरत। गांधी जयंती पर प्रजापति समाज द्वारा शंख सर्कल वेड रोड पर 51,000 मिट्टी के दिए प्रज्वलित कर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी गई। डाभोली चार रास्ता पर भारतीय हिरोज तथा समस्त प्रजापति समाज द्वारा इस अनूठे कार्यक्रम के माध्यम से शहरवासियों को स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया गया।

सूरत। साउथ गुजरात टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में नेत्र जांच शिविर व नि:शुल्क चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रात: 11 बजे से सायं 5 बजे तक चले इस कार्यक्रम में सैकड़ो जरूरत मंदो ने लाभ लिया। कोहिनूर टेक्सटाइल मार्केट प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी।

जीव दया को समर्पित नीलू ब्यूटी पार्लर बना आकर्षण का केन्द्र

सूरत। शहर के गोडादरा क्षेत्र स्थित नीलू ब्यूटी पार्लर ने जीव दया की भावना से प्रेरित होकर अपनी आय का 10 प्रतिशत जीवदया के लिए दान करने का निश्चय किया है। परवत पाटिया जीव दया संस्था के संचालक हनुमान प्रसाद प्रजापति ने बताया कि गोडादरा क्षेत्र के मानसरोवर सोसायटी के श्री रेसीडेंसी के सामने प्लाट नं.सी/6 में संचालित इस ब्यूटी पार्लर में प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से तैयार सौंदर्य प्रसाधनों का प्रयोग किया जाता है, जिससे त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचता है। गोडादरा क्षेत्र का यह एकमात्र ऐसा ब्यूटी पार्लर है जिसमें वातानुकूलित बैठक व्यवस्था के साथ घर जैसा माहौल ग्राहकों को मिलता है। यही कारण है कि यह ब्यूटी पार्लर गोडादरा क्षेत्र की महिलाओं के लिए आकर्षक का केंद्र बना हुआ है।

ब्यूटी पार्लर की संचालिका बबिताबेन का मानना है कि मनुष्य जीवन केवल अपने आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नहीं मिला है।

प्रत्येक मनुष्य को प्राणी मात्र के लिए कुछ न कुछ करना चाहिए, तभी हम अपने को मानव कहलाने के लायक बना सकेंगे। बबिताबेन के इस ब्यूटी पार्लर में चारों तरफ जीवदया की प्रवॉत्तियों से संबंधित तस्वीरें लगी हैं, जो यहा आने वाली प्रत्येक महिला ग्राहक को जीव मात्र के प्रति दया तथा करूणा की भावना जागृत करती है।

बीआरटीएस की बसों में हो रही धांधली

सूरत शहर में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के तहत संचालित बीआरटीएस की बसों में हो रही धांधली से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

खासकर सुबह के वक्त टेक्सटाइल मार्केट आने वाले यात्रियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

बीआरटीएस बस से प्रतिदिन मार्केट आने वाले नरेंद्र राठौड़ का कहना है कि सुबह सुबह बीआरटीएस के कंडक्टर ज्यादातर यात्रियों से बिना टिकट दिए ही किराए की वसूली करते है।

टिकट मांगने पर उनके रोज का यही बहाना रहता है कि टिकट निकालने वाली मशीन खराब है। इस प्रकार कंडक्टर बिना टिकट के वसूले गए पैसों से स्वयं की जेब भर रहे है।

दूसरी तरफ पीक आवर्स में बीआरटीएस बसों के फेरे न बढाए जाने से यात्रियों को मजबूरी में बसों में खड़े रहकर सफर करहना पड़ता है।

जबकि बाकी समय में बसें खाली दौड़ती रहती है।

इस प्रकार बसों के संचालन से न केवल कंपनी को घाटा उठाना पड़ बल्कि यात्रियों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

सूरत। कांग्रेस से त्याग पत्र देने के बाद सूरत पधारे शंकर सिंह बाघेला का शहर के उन पाटिया में उनके समर्थकों द्वारा स्वागत किया गया तथा उन्होंने अपने समर्थकों को गांधी जयंती की शुभकामनाएं दी।

उधना भगवतीनगर में बुटलेगर पंकज राणा के घर पुलिस का छापा

सूरत उधना साउथ जोन ऑफिस के सामने भगवतीनगर में रहनेवाले बुटलेगर के घर में उधना पुलिस को जानकारी दिये बिना स्टेट विजिलन्स पुलिस ने छापा मार नकद 20,000 रुपये व शराब मिलाकर कुल 1.55 लाख रुपये का माल जब्त किया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार स्टेट विजिलन्स पुलिस के हेड कांस्टेबल जाकीर हुसेन को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर रविवार शाम उधना जोन ऑफिस के सामने भगवतीनगर में रहनेवाले बुटलेगर पंकज धनसुखलाल राणा के घर स्टाफ ने छापा मारा। पुलिस ने उसके घर की तलाशी दौरान 1,34,400 रुपये की विदेशी शराब तथा नकद 20,000 रुपये मिलाकर कुल 1.55 लाख रुपये का माल जब्त किया। उधना पुलिस को इसकी जानकारी होते ही पीआई सहित का स्टाफ हरकत में आ गया। स्टेट विजिलन्स पुलिस ने बुटलेगर पंकज राणा को गिरफ्तार कर पूछताछ में मालूम किया कि वह शराब का जत्था डिंडोली के शराब तस्कर प्रमोद पाटील के पास से लाया था। स्टेट विजिलन्स पुलिस ने बुटलेगर पंकज राणा और शराब का जत्था उधना पुलिस के हवाले किया है। उधना पुलिस इस संदर्भ में शिकायत दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सूरत शाखा के डॉक्टरों द्वारा विरोध प्रदर्शन

सूरत, इंडियन मेडिकल एसोसियेशन (आईएमए) की काफी लंबे समय से लंबित मांगों के संदर्भ में सरकार की ओर से सकारात्मक प्रतिभाव नहीं मिलने पर आज आई.एम.ए. के मातहत चिकित्सको ने विरोध प्रदर्शन कर सूत्रोच्चार किया।

आज गांधी जयंति के दिन इंडियन मेडिकल एसोसियेशन ने नानपुरी जीवन भारती स्कुल के प्रांगण में एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। जिसके बाद वहीं आईएमए की सामान्य सभा मिली।

इस संदर्भ में आईएमए हेडक्वाट्र्स के राष्ट्रीय प्रमुख डॉ. के.के. अग्रवाल और मानदमंत्री डॉ. आर.एन. टंडन ने बताया कि एसोसियेशन के तमाम डॉक्टर उनके साथ हो रहे अत्याचार को बेहद शांति से सहन कर रहे हैं।

हम पत्र द्वारा पिछले डेढ में पेश की गई हमारी मांगों तथा इन्टरमिनिस्टर कमेटी के सिफारिशों को तात्कालिक स्वीकार करने की विनंती करते हैं।

इन सिफारिशों का अमल नहीं किये जाने पर गत 6 जून को समग्र देश में से करीब 10 हजार डॉक्टरो ने राजघाट से रैली निकाली थी। साथ ही 90 हजार डॉक्टरो ने विरोध दर्ज कराया था।

आगमी दिनों में सरकार यदि लंबित मांगों को स्वीकार नहीं करेगी तो पुन: आंदोलन का मार्ग अख्तियार किया जायेगा।

उधना के कारखाने से 34.75 लाख की चोरी

साझेदार ने साझेदार के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

सूरत उधना सिटी इण्डस्ट्री में स्थित एक कारखाने में से साझेदार कार्टुन, टीवी, ऑइल मिलाकर कुल 34.75 लाख रुपये का माल चोरी कर फरार हो गया। इस संदर्भ में साझेदार ने दूसरे साझेदार के खिलाफ उधना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। चार साझेदारो ने 1.35 लाख रुपये दिये थे जो वापस न देना पडे उसके लिए उन्होंने साझेदारों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराये होने की जानकारी उधना पीआई सी.आर. जादव ने दी।

उधना पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अडाजण आनंद महल रोड प्राइम मार्केट समीप रहनेवाले मनोजभाई पटेल की उधना सिटी इण्डस्ट्रीज में धनलक्ष्मी एन्टरप्राइज नामक कारखाना स्थित है।

इस केमिकल कारखाने में कनुभाई किशोरदास पटेल, गांडालाल किशोरदास पटेल और प्रतिक गांडालाल पटेल साझेदार हैं। गत 21 अक्टूबर 2016 के दिन चारों साझेदारो यार्न, केमिकल स्टोक, कार्टुन कारखाने में से ऑइल मिलाकर कुल 34.75 लाख रुपये का माल चोरी कर फरार हो गये। पुलिस ने इस संदर्भ में दर्ज कराई शिकायत के आधार पर आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर प्रमाण एकत्रित कर आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है।

सूरत गुजरात में होने वाले विधानसभा की तैयारियों को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी द्वारा सोमवार को प्रेस कोन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

सूरत गांधी जयंती के उपलक्ष्य में सूरत महानगर पालिका की और से सर्वधर्म प्रार्थना एवं गांधी वंदना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर की मेयर अस्मिता बेन शिरोया, सांसद दर्शना बेन जरदोश, सहित विविध समितियों के चेयरमैन तथा महानगर पालिका के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

श्री सालासर हनुमान मंदिर में शरद पूर्णिमा महोत्सव 5 को

सूरत। श्री सालासर हनुमान सेवा समिति की ओर से श्री सालासर हनुमान मंदिर जलवंत टाउनशिप में 5 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बालाजी के दरबार को रंगबिरंगे फूलों से सजाया जाएगा। फूलों से अच्छादित भव्य दरबार में अखंड ज योत प्रज्वलित कर छप्पन भोग व चने के प्रसाद अर्पित किए जाएंगे। सांय 7.30 बजे महा आरती होगी, रात्रि 8.30 बजे से स्थानीय कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी।

शहद पूर्णिमा पर निकलेगी श्री सोमोलाई हनुमान मंदिर ट्रस्ट की निशान पदयात्रा

सूरत। शरद पूर्णिमा के अवसर पर श्री सोमोलाई हनुमान मंदिर ट्रस्ट की ओर से निशान पदयात्रा निकाली जाएगी। निशान पदयात्रा गुरुवार की सुबह 8 बजे सूर्यदर्शन सोसायटी, सिटीलाइट से निकलकर रिंग रोग स्थित श्री सोमोलाई हनुमान मंदिर तक जहां भक्तों द्वारा बाबा को निशान अर्पित किया जाएगा। श्री सोमोलाई हनुमान मंदिर ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष शरद पूर्णिमा के अवसर पर निशान पद यात्रा तथा भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। इस दिन दुध से बना खीर, चांद की रोशनी में देर रात तक रखा जाता है आधी रात के बाद उस खीर का प्रसाद सभी भक्तों में वितरित किया जाता है।

डिंडोली में आज होगा नवनिर्मित फायर स्टेशन का लोकार्पण

सूरत। विधानसभा चुनाव की आचारसंहिता लागू हो इससे पहले भाजपा शासको द्वारा तमाम जोन में विकासलक्षी प्रकल्पों का लोकार्पण और भूमिपूजन सहित का कार्यक्रम जोर-शोर पर आयोजित किया जा रहा है। रांदेर और कतारगाम जोन में विविध प्रकल्पों का लोकार्पण करने के बाद आगामी रोज 3 अक्टूबर मंगलवार को लिंबायत जोन में 14 करोड के खर्च से तैयार हुये विविध प्रकल्पों का लोकार्पण/भूमिपूजन का आयोजन किया गया है। आगामी रोज मेयर अस्मिताबेन शिरोया के हाथों सुबह 9 बजे अश्विनीकुमार सरस्वती विद्यालय समीप 27 लाख लीटर की क्षमता वाली ओवरहेड टंकी, वल्लभाचार्य लीनियर पार्क तथा हरिधाम सोसायटी में वांचनालय का लोकार्पण किया जायेगा।

विवाहिता की नजर बचाकर जेवर की चोरी

सूरत। उधना श्रेयस स्कुल तीन रास्ता समीप से जा रही एक विवाहिता की नजर बचाकर मंगलसूत्र तथा सोने की बुट्टी मिलाकर कुल 14 हजार रुपये का माल चोरी कर तीन अज्ञात शख्स फरार हो गये।

पुलिस सूत्रों के अनुसार उधना महादेवनगर सोसायटी में रहनेवाली कमलाबेन जीवनभाई सोलंकी गत 1 अक्टूबर को शाम के साढे चार बजे के करीब उधना तीन रास्ता श्रेयस स्कुल के पास से जा रही थी। इस दौरान तीन अज्ञात शख्स ने उनके पास आकर मराठी भाषा में कहा कि भाई को को काफी वर्ष बाद लडका हुआ है और जिससे वे गरीब बहनो को साडी बांट रहे हैं। जिसके बाद वे कमलाबेन को अन्यत्र ले जाकर सौ-सौ रुपये की तीन नोट, मंगलसूत्र और कान की बुट्टी उतारवाकर लेकर फरार हो गये। घटना

सूरत, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा प्रदत सुविधाओं की मांग को लेकर न्यू सिविल होस्पिटल की नर्सों ने होस्पिटल के अधीक्षक डा. बाडेल को मास सीएल पर जाने का आवेदन पत्र सौंपा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं ताप्तीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com